राइट्स लिमिटेड की वर्ष 2013-14 की वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित लेखों की समीक्षा।

सिंहावलोकन

कई वर्षों से राइट्स, देश में अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र में परिवहन अवसंरचना, परामर्शी कंपनियों में एक कंपनी के रूप में, परिवहन क्षेत्रों यथा रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, जलमार्गों, रोपवेज, शहरी परिवहन, शहरी इंजीनियरिंग, कनटेनर डिपो, संस्थागत भवनों और रेलवे विद्युतीकरण आदि के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । राइट्स ने अंतत परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक तथा किफायती दृष्टि से कार्यान्वित करने के लिए संकल्पना से उनकी संस्थापना तक नाना प्रकार की बहुआयामी सेवाएं प्रदान की हैं ।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 में कंपनी ने यातायात ढांचा क्षेत्र में विशिष्ट, एक ही मंच के अंतर्गत एकीकृत सेवाएं उपलब्ध कराने तथा लोकोमोटिव्स, कोचों, स्पेयर पार्टस की आपूर्ति के लिए निर्यात पैकेज तथा वर्कशापों के आधुनिकीकरण का कार्य जारी रखा । कंपनी वैगन निर्माण के व्यवसाय में अपना विस्तार कर रही है तथा हरित उर्जा सहित बिजली क्षेत्र में संभावित व्यवसायिक अवसरों को विकसित करने के लिए भी काम कर रही है । कंपनी केवल परामर्शी कार्यों के रूप में पूर्ण परिवहन समाधान उपलब्ध करवाने के मुख्य उद्देश्य के साथ अन्य स्टेकहोल्डरों के साथ शेयर भागीदारी द्वारा भारत में कैप्टिव रेल प्रणालियों में व्यवसायिक अवसरों की भी तलाश रही है।

वर्ष के दौरान, घरेलू गैर-रेलवे ग्राहकों द्वारा परिचालन एवं अनुरक्षण सहित वैट लीज पर शंटिंग लोकोमोटिव्स देने का कारोबार को अच्छे से स्वीकार किया है।

कंपनी इन कार्यों में विसातार किया-(i) रेलवे कारखानों के अपग्रेडेशन/आधुनिकीकरण के लिए मशीनरी एवं संयंत्र की स्थापना एवं चालू करने के लिए टर्नकी कार्यों का निर्माण एवं आपूर्ति (ii) अक्षय उर्जा को उत्पन्न तथा बिक्री करने के लिए पवन चक्की तथा सौर संयंत्र लगाते हुए विशेष रूप से पवन एवं सौर के क्षेत्र में, हरित उर्जा सहित उर्जा क्षेत्र में कारोबारी अवसरों को बढ़ाने के लिए रेलवे ऊर्जा प्रबंधन कंपनी (आरईएमसीएल) के माध्यम से अक्षय उर्जा परियोजनाएं, जो भारतीय रेलवे के साथ संयुक्त उद्यम है।

पूंजीगत विन्यास

150 करोड़ रु. की प्राधिकृत शेयर पूंजी की तुलना में कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी 100 करोड़ रु. रही।

आरक्षित निधि

कंपनी का वर्ष 2013-14 के लिए लाभों से विनियोजन द्वारा 202 करोड़ रू. की राशि को सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरित किए जाने का प्रस्ताव है। 31 मार्च, 2014 तक आरक्षित निधि एवं अधिशेष में पिछले वर्ष 1095 करोड़ रूपये की तुलना में 1297 करोड़ रूपये की वृद्धि हुई है।

ऊर्जा संरक्षण

परामर्शदात्री संगठन के रूप में, राइट्रस मुख्य उर्जा उपभोक्ता नहीं है और अत: हमारा कार्बन उत्सर्जन निम्नतम है। तथापि, राइट्स द्वारा किए गए परामर्शी अध्ययनों में, डिजाईन में तथा परियोजना प्रस्तावों एवं विनिर्देशों में राइट्स की यह कार्यप्रणाली रही है कि उर्जा संरक्षण के राष्ट्रीय लक्ष्य का अनुसरण किया जाए तथा तदनुसार, हम अपने ग्राहकों को उर्जा संरक्षण के उपाय एवं विधियों के बारे में बताते रहते हैं। गुड़गांव में, राइट्स के दो विशाल भवन (आरओसी I एवं II) हैं जहां उर्जा बचत के उपायों को कार्यान्वित किया गया है तथा उर्जा संरक्षण में निरंतर सुधार के लिए नियमित उर्जा लेखापरीक्षा की जाती है। इन दोंनो भवनों में, सौर शक्ति से बिजली उत्पन्न करने के लिए छत पर सौर शक्ति पैनल लगाए गए हैं। अशोक विहार, दिल्ली में राइट्स कालोनी में स्ट्रीट लाईट के लिए पंरपरागत सोडियम वेपर लैम्पों के स्थान पर एलईडी लैम्प लगाए गए हैं जिससे भारी उर्जा की बचत हुई है।

वित्तीय मुख्य विशेषताएं

वर्ष 2013-14 के लिए कंपनी का वित्तीय कार्य निष्पादन निम्न प्रकार से है:

(रूपये करोड़ में)

विवरण	2013-14	2012-13
वित्तीय परिणाम:		
कुल आय	1246	1076
परिचालन टर्नओवर	1093	953
परिचालन व्यय	860	731
अन्य आय	153	123
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	386	345
आयकर/आस्थगित कर	(122)	(100)
कर पश्चात लाभ (पीएटी)	264	245
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	53	50

विवरण 2013-14 2012-13

विदेशी मुद्रा आमदनी और व्यय

वर्ष के दौरान समीक्षाधीन क्रमश: कुल विदेशी मुद्रा आमदनी 446.15 करोड़ रू. (पिछले वर्ष 342.14 करोड़ रू.) का तथा विदेशी मुद्रा व्यय 40.03 करोड़ रू. (पिछले वर्ष 24.67 करोड़ रू.) रहा। इसके परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा की सकल आमदनी 406.48 करोड़ रू. (पिछले वर्ष 317.47 करोड़ रू.) हुआ।

हिन्दी का प्रचार-प्रसार

भारत सरकार (गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग) की राजभाषा नीति एवं रेलवे बोर्ड से समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार, कंपनी के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी-प्रयोग को बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। वार्षिक रिपोर्ट, सहमति ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश और विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त आदि महत्वपूर्ण दस्तावेज द्विभाषी रूप में तैयार एवं जारी किए गए।

12 सितंबर से 25 सितंबर, 2013 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी नोटिंग-ड्राफ्टिंग, निबंध, वाक एवं कंप्यूटर पर टाइपिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 68 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। पुस्तकालय में हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई तथा इस अवधि में टेबल ट्रेनिंग एवं हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया। दिनांक 25.09.2013 को आयोजित राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के 24 विजेताओं एवं राजभाषा की वार्षिक पुरस्कार योजनाओं के 83 विजेताओं को नकद इनाम एवं प्रमाण पत्रों से पुरस्कृत किया गया। प्रधान कार्यालय के अलावा, राइट्स के विभिन्न क्षेत्रीय निरीक्षण कार्यालयों एवं परियोजना कार्यालयों में भी राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया.

वर्ष के दौरान, विभिन्न विभागों/कार्यालयों में हिंदी के प्रगामी प्रयोग संबंधी 05 निरीक्षण किए गए तथा 06 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। पुस्तकालय के लिए महत्वपूर्ण हिंदी पुस्तकों की खरीद की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं जिनमें राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों पर चर्चा एवं समीक्षा की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी), रेलवे बोर्ड, रेलवे हिंदी सलाहकार समिति और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी) की बैठकों में राइट्स के पदाधिकारियों ने नियमित रूप से भाग लिया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), गुड़गांव के समग्र मूल्यांकन पर सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा राइट्स लिमिटेड, गुड़गांव को भारत सरकार की राजभषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य हेतु वर्ष 2011-12 तथा वर्ष 2012-13 के लिए शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

<u>समझौता ज्ञापन</u>

विचाराधीन वर्ष (2013-14) के लिए रेल मंत्रालय के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत इसके निष्पादन के मूल्यांकन में कंपनी 'उत्कृष्टता' के सभी मानदण्डों को पूरा करती है। बहरहाल, इस बारे में डीपीई से उत्तर की प्रतीक्षा है।

<u>पुरस्कार</u>

वर्ष 2013-14 के दौरान, कंपनी ने अपने कार्य-निष्पादन के लिए निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए:

1 बैंगलुरू में आयोजित "निगमित समाजिक जिम्मेवारी-2014 के 8वीं अंर्तराष्ट्रीय कांफ्रेंस" के अवसर पर निगमित सामाजिक जिम्मेवारी के लिए वर्ष 2013 में विशेष सराहना के रूप में गोल्डन पीकॉक अवार्ड दिया गया।

2 1 अक्टूबर, 2013 को वृद्धजन अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर वृद्ध व्यक्तियों की देखभाल की दिशा में सराहनीय योगदान के लिए "कांस्य पलेट पुरस्कार"।

3 19 जून, 2013 को मिनी रत्न श्रेणी में "बेस्ट परफॉर्मिंग पीएसयू" के लिए "बीटी-स्टार पीएसयू एक्सिलेंस अवार्ड 2013"।

<u>कारपोरेट सामाजिक दायित्व एवं निरंतरता</u>

कारपोरेट सामाजिक दायित्व एवं निरंतर चलने वाली नीति, जो पारदर्शी एवं नैतिक है, को आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरण की दृष्टि से स्थाई तौर पर संचालित करने के लिए राइट्स वचनबद्ध है। यह स्टैकहोल्डरों को उनकी जरूरतों तथा अपेक्षाओं को निर्धारित करने में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देती है। स्टैकहोल्डरों मे कर्मचारी, शेयरहोल्डर, निवेशक, उपभोक्ता, ग्राहक, व्यवसायी सहयोगी, सिविल सोसायटी समूह, केंद्र/राज्य/स्थानीय सरकार, समुदाय, पर्यावरण एवं बड़े पैमाने पर समाज शामिल है।

वर्ष के दौरान, राइट्स सीएसआर एवं निरंतर किए जाने वाले उपायों के रूप मे निम्नलिखित परियोजनाएं शुरू की गई:

1- दक्षिणी राजस्थान के पिछड़े क्षेत्रों के ग्रामीण युवाओ तथा महिलाओं के लिए व्यवसायिक सह कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना
2- अनंगपुर गांव, फरीदाबाद, हरियाणा मे एसओएस चिल्ड्रेनस विलेज ऑफ इंडिया के लिए यूथ फैसिलिटी हाउस (आवासीय) का निर्माण
3- वृद्ध देखभाल एवं कल्याण केंद्र - आवासीय सुविधा, गांव रोंगला, पटियाला, पंजाब-(चरण-बी)
4- खानपुर घाटी गर्ल्स हॉस्टल परिसर, मेवात
5- गुड़गांव रेलवे स्टेशन, गुड़गांव, हरियाणा मे 25 केडब्ल्यूपी ग्रिड इंटरएक्टिव सोलर पॉवर प्लांट
6- पूर्वी मिदनापुर जिला, पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम (केंडुमरी घाट) से हल्दिया तक फैरी क्रासिंग करने के लिए हल्दिया नदी पर जेट्टी की व्यवस्था
7- द्वारका, नई दिल्ली में यातायात विकास के एशिया संस्थान की इमारत का निर्माण
8- सेंट्रल वर्ज, गुड़गांव, हरियाणा का अनुरक्षण
9- उत्तराखंड में मुख्यमंत्री राहत कोष प्राकृतिक आपदा के लिए अंशदान
10- पश्चिमी बंगाल के पिछड़े जिले में सुरक्षित रक्तधान के लिए स्वैच्छिक रक्त दाताओं का नामांकन